भारत सरकार
गृह मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 365
दिनांक 04 फरवरी, 2025/ 15 माघ, 1946 (शक) को उत्तर के लिए

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाना

†365. श्रीमती साजदा अहमद:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के काम की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) सीमा बाड़ के निर्माण के लिए बांग्लादेश द्वारा उद्धृत प्रमुख कारण क्या हैं;
(ग) क्या सीमा बाड़ लगाने से भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंध प्रभावित हुए हैं; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और किन-किन भारतीय सीमावर्ती क्षेत्रों में बाड़ लगाना अभी शेष है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री नित्यानंद राय)

(क): भारत-बांग्लादेश सीमा की कुल लंबाई 4096.7 किलोमीटर है, जिसमें से 3232.218 किलोमीटर पर बाड़ लगाई जा चुकी है।

(ख) और (ग) : सीमा की सुरक्षा के लिए बाड़ लगाना एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय है। यह सीमा पर अपराध-मुक्त माहौल सुनिश्चित करने में सहायक होता है, जिससे सीमा पार आपराधिक गतिविधियों, तस्करी, अपराधियों की आवाजाही और मानव तस्करी की चुनौतियों का प्रभावी समाधान किया जा सकता है। बांग्लादेश सरकार को यह बताया गया है कि सीमा पर सुरक्षा उपायों, जिसमें बाड़ लगाना भी शामिल है, के संदर्भ में भारत दोनों सरकारों और सीमा सुरक्षा बल (BSF) तथा बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (BGB) के बीच हुए सभी प्रोटोकॉल और समझौतों का पालन करता है। भारत सरकार की यह अपेक्षा भी बांग्लादेश

लोक सभा अतारंकित प्र.सं. 365, दिनांक 04.02.2025

सरकार को बताई गई है कि पूर्व में हुए सभी समझौतों को बांग्लादेश द्वारा लागू किया जाएगा और सीमा पार अपराधों से निपटने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।

(घ): भारत-बांग्लादेश सीमा के 864.482 किलोमीटर में बाड़ लगाये जाना बाकी है, जिसमें 174.514 किलोमीटर की अव्यवहारिक अंतराल (non-feasible gap) भी शामिल है। बाड़ लगाने की परियोजनाओं के व्यवहारिक हिस्सों को पूरा करने में जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे भूमि अधिग्रहण, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (BGB) की आपत्तियां, सीमित कार्य अवधि और भूस्खलन/दलदली भूमि हैं।

*****